स्वच्छ भारत अभियान कार्यक्रम प्रतिवेदन
12 – 15 जून, 2016

केंद्रीय प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड
आंचलिक कार्यालय (मध्य)
भोपाल

सरिस्का टाइगर रिजर्व, सरिस्का
अलवर (राजस्थान)

दिनांक 12 जून, 2016

केंद्रीय प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड
आंचलिक कार्यालय (मध्य)
भोपाल

स्वच्छ भारत अभियान कार्यक्रम
12 – 15 जून, 2016

मुख्य समन्वयक	:	श्री आर.एस. कोरी, आंचलिक अधिकारी
कार्य निष्पादन दल	:	श्री सुनील कुमार मीणा, वैज्ञानिक ‘ग’
		डॉ. वाय.के. सक्सेना, वरिष्ठ वैज्ञानिक सहायक
		डॉ. अनूप चतुर्वेदी, वरिष्ठ वैज्ञानिक सहायक
		श्री प्रवीण कुमार जैन, वरिष्ठ वैज्ञानिक सहायक
रिपोर्ट लेखन	:	श्री सुनील कुमार मीणा, वैज्ञानिक ‘ग’
		श्री प्रवीण कुमार जैन, वरिष्ठ वैज्ञानिक सहायक
टाइप सैट	:	श्री प्रहलाद बघेल, एम.टी.एस.

अनुक्रमणिका

क्रमांक	विवरण	पृष्ठ क्रमांक
1.	सरिस्का टाइगर रिजर्व, सरिस्का, अलवर, राजस्थान	1-13
2.	कान्हा टाइगर रिजर्व, मंडला, मध्य प्रदेश	14-25

अ) सरिस्का टाइगर रिजर्व, सरिस्का, अलवर (दिनांक 12 जून, 2016)

केंद्रीय प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड, मुख्यालय के आदेश क्रमांक MSCB/06/2016 दिनांक 8 जून 2016 के परिपालन में राजस्थान के अलवर जिले में स्थित सरिस्का टाइगर रिजर्व क्षेत्र में राजस्थान के मुख्य वन्यजीव वार्डन एवं राजस्थान प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड के अधिकारियों से संपर्क कर स्वच्छ भारत अभियान के अंतर्गत अभ्यारण क्षेत्र तथा ग्रामीण क्षेत्रों में ठोस अपशिष्ट प्रबंधन एवं जल प्रबंधन में समग्र स्वच्छता तथा पर्यावरण व वन्यजीव संरक्षण के संदर्भ में जनजागृति संबंधी कार्यक्रम दिनांक 12 जून 2016 को सरिस्का के प्रसिद्ध स्थल **'तालवृक्ष'** में आयोजित किया गया.

अरावली पर्वत शृंखला में स्थित सरिस्का 1955 में वन्यजीव संरक्षण स्थल घोषित किया गया था जिसे 1978 में **'भारत प्रोजेक्ट टाइगर'** के अंतर्गत टाइगर रिजर्व क्षेत्र घोषित किया गया। सरिस्का टाइगर रिजर्व 866 वर्ग किलोमीटर में फैला हुआ है, जहां बंगाल टाइगर को सफलतापूर्वक पुनर्स्थापित किया गया है। इस प्रकार का यह विश्व में एकमात्र टाइगर रिजर्व क्षेत्र हैं.

सरिस्का में स्थित प्रसिद्ध स्थल **'तालवृक्ष'** एक ऐसा स्थल है जहां गंगा माता का मंदिर है तथा एक ही स्थल पर ठंडा एवं गर्म जल भूगर्भ से निकलता है साथ ही यहां अर्जुन वृक्ष अत्यधिक मात्रा में हैं क्योंकि 'तालवृक्ष' एक प्रसिद्ध स्थल है तथा यहां पर आसपास के गांव के लोगों के द्वारा मां गंगा की पूजा की जाती है जिसमें बहुत सारे लोगों का आना-जाना यहां होता है जिसके फलस्वरुप यहां प्लास्टिक की थैलियां, भोजन अपशिष्ट व अन्य प्रकार के अपशिष्ट ज्यादा मात्रा में यहां-वहां फैले होने के कारण इस स्थल को स्वच्छ भारत अभियान के अंतर्गत जनजागरूकता कार्यक्रम हेतु चुना गया।

उपरोक्त जन जागरूकता कार्यक्रम मे **200 से अधिक** ग्रामवासियों, विद्यार्थियों, वन्यजीव के अधिकारियों एवं कर्मचारियों द्वारा हिस्सा लिया गया जिसके अंतर्गत कई कार्यक्रमों का आयोजन किया गया जिसका विस्तृत विवरण निम्नानुसार है :-

1. पौधारोपण कार्यक्रम

केंद्रीय प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड, आंचलिक कार्यालय भोपाल द्वारा 12 जून 2016 को प्रातः 8:00 बजे श्री आर एस शेखावत, मुख्य वन संरक्षण अधिकारी, वन विभाग राजस्थान सरकार, श्री सुनील कुमार मीणा, वैज्ञानिक 'ग' एवं डॉ वाई के सक्सेना, वरिष्ठ वैज्ञानिक, सहायक केंद्रीय प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड भोपाल तथा श्री आर के गुप्ता, क्षेत्रीय अधिकारी, राजस्थान प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड भरतपुर, श्री जेपी दहिया जिला, वन अधिकारी, श्री वासुदेव, श्री डूंगर सिंह एवं श्रीमती बीना यादव, सरपंच, मुंडावर द्वारा सरिस्का उद्यान के इस प्रसिद्ध क्षेत्र तालवृक्ष प्रांगण में पौधारोपण किया गया। उपरोक्त पौधारोपण के दौरान वेदों में उल्लेखित प्रकृति संबंधी श्लोकों का भी वाचन किया गया।

2. जन जागरूकता सामग्री का वितरण

केंद्रीय प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड, आंचलिक कार्यालय, भोपाल द्वारा जंगलों के महत्व के संबंध में तैयार जनजागरूकता सामग्री जिसके अंतर्गत कागजों के कम उपयोग, पानी की बचत, पॉलीथिन को इंकार संबंधी उपयोगी जानकारियों का समावेश कर अत्यधिक रोचक तरीके से प्रस्तुत किया गया है। इस सामग्री को उपरोक्त स्वच्छ भारत अभियान कार्यक्रम के दौरान सभी उपस्थित को बाँटा गया एवं अनुरोध किया गया कि उपरोक्त सामग्रीमें जिन-जिन बातों का ख्याल रखने के लिए कहा गया है उनका वह अपने जीवन में समावेश करें तथा इसे संबंध में अपने सभी नजदीकी साथियों, भाइयों तथा अन्य ग्रामवासियों को भी अवगत कराएं जिससे कि पर्यावरण को सृदृढ़ रुप प्रदान किया जा सके।

3. प्रशस्ति पत्र वितरण कार्यक्रम

उपरोक्त पौधारोपण एवं जनजागरूकता सामग्री वितरण कार्यक्रम के उपरांत श्री के एल सैनी, भारतीय वन सेवा से सेवानिवृत्त अधिकारी की अध्यक्षता में विस्तृत कार्यक्रम का आयोजन किया गया। श्री सैनी, ने अपने जीवन काल के अधिकतम समय इसी वन क्षेत्र में कार्य करते हुए गुजारे हैं। उनके अभिभाषण में क्षेत्र की भौगोलिकता एवम् विकास के बारे में बताया गया। कर्यक्रम में मुण्डावर गाँव की महिला सरपंच को भी अतिथि के रूप में आमंत्रित किया गया।

श्री शेखावत, मुख्य वन संरक्षण अधिकारी द्वारा सरिस्का क्षेत्र के गाँवो में ग्रामवासियों द्वारा किये गए जल संरक्षण कार्यों के बारे में बताया गया एवम् 20 जल-मित्रों को मुख्य अतिथि श्री सैनी एवम् श्री शेखावत जी द्वारा प्रशस्ति पत्र प्रदान कर पुरस्कृत किया गया।

कार्यक्रम में केन्द्रीय प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड के श्री मीणा द्वारा वन क्षेत्रों में ठोस अपशिष्ट का कैसे प्रबंधन किया जाए के बारे में विस्तृत जानकारी प्रदान की गई। जिसके अंतर्गत गीले एवं सूखे कचरे के अलग-अलग डस्टबिन तथा खाद बनाने के तरीके तथा प्लास्टिक जलाने से होने वाले स्वास्थ्य संबंधी विकारों के बारे में बताया गया। श्री मीणा द्वारा यह चेताया गया कि प्लास्टिक को गलने में सालों लग जाते हैं तथा इसको जलाने से निकलने वाली जहरीली गैसें स्वास्थ्य संबंधी कई बीमारियों की जनक होती है इस हेतु क्षेत्र में प्लास्टिक को पूरी तरह से बंद करने के लिए वन्य जीव अधिकारियों को निवेदन भी किया गया तथा साथ ही उनके द्वारा बताया गया कि सरिस्का उद्यान क्षेत्र में आने वाले आगंतुकों को भी पर्यावरण संबंधी जानकारी प्रदान की जानी चाहिए जिससे कि उनके द्वारा इस महत्वपूर्ण टाइगर रिजर्व क्षेत्र में गंदगी न फैलाई जाए तथा सरिस्का कैंटीन में इकट्ठे होने वाले कचरे का सही से निपटान भी किया जा सके

श्री मीणा द्वारा वन अधिकारी को राष्ट्रीय उद्यानों में ठोस अपशिष्ट प्रबंधन से संबंधित रेफरेंस गाइड भी उपलब्ध कराई गई जिसके अंतर्गत ठोस अपशिष्ट के समुचित प्रबंधन के उपाय दिए गए हैं जोकि राष्ट्रीय महत्व के उद्यानों में साफ-सफाई को बनाए रखने के लिए उपयोगी रहेंगी।

4. स्वच्छता शपथ

कार्यक्रम में उपस्थित ग्रामवासियों, विद्यार्थियों एवं अतिथियों को केंद्रीय प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड की ओर से स्वच्छ भारत अभियान कार्यक्रम के अंतर्गत श्री के एल सैनी एवं श्री शेखावत की अध्यक्षता में स्वच्छ भारत अभियान की शपथ दिलाई गई। जिसके उपरांत वन विभाग, सरपंच एवं राज्य बोर्ड द्वारा स्वच्छता के संदेश भी दिये गए।

5. सन्देश एवम् हस्ताक्षर कार्यक्रम

केंद्रीय प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड द्वारा लगाए गए स्वच्छता संदेश एवं हस्ताक्षर बैनर पर सभी ग्रामवासियों एवं विद्यार्थियों को संदेश एवं हस्ताक्षर हेतु आमंत्रित किया गया।

6. स्वच्छता कार्यक्रम

प्रसिद्ध **'तालवृक्ष'** प्रांगण में गंगा मां के मंदिर एवं ठंडे व गरम पानी के झरने होने के कारण इस स्थल पर श्रद्धालुओं का आवागमन होता है जिसके परिणामस्वरुप स्थल पर पूजन सामग्री इत्यादि फेंके जाने के कारण स्वच्छता का अभाव देखा जाता है अतः उपरोक्त क्षेत्र को साफ सफाई हेतु चुना गया। कुल 2 घंटे चली साफ़-सफ़ाई मुहिम के चलते पूरे क्षेत्र में फैली हुई प्लास्टिक की थैलियों, पूजन सामग्रियों को एक जगह इकट्ठा कर वन विभाग द्वारा उपलब्ध 06 कूड़ादान में कचरा इकट्ठा किया गया तथा इसके समुचित निपटान हेतु वन अधिकारी द्वारा कचरे को उद्यान क्षेत्र से बाहर फेंकने हेतु भेजा गया।

साथ ही स्वच्छ भारत अभियान दल द्वारा उद्यान का भ्रमण किया गया एवं भ्रमण के दौरान कचरा पात्रों की नियमित साफ-सफाई के साथ राष्ट्रीय उद्यान क्षेत्र में पर्यावरण संरक्षण हेतु सुरक्षाकर्मियों को जागरुक किया गया।

पौधारोपण कार्यक्रम

जन जागरूकता सामग्री का वितरण

विश्व पर्यावरण दिवस

05 जून 2012

हरित अर्थव्यवस्था

क्या आप इसका हिस्सा है?

क्या है ग्रीन अर्थव्यवस्था ?

प्राकृतिक संसाधनों का कम दोहन करते हुए ऐसी युक्तियाँ अपनाना जिससे कि कार्बन उत्सर्जन कम से कम हो, ऊर्जा संरक्षण व संसाधन क्षमता बढ़े तथा जैव विविधता एवं पारिस्थितिकी तंत्र सुदृढ़ बना रह सके।

क्या आप सुदृढ़ पारिस्थितिकी तंत्र के लिए कुछ कर सकते हैं ?

जवाब है, हाँ

आप कुछ नहीं बहुत कुछ कर सकते हैं।

केन्द्रीय प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड
आंचलिक कार्यालय (मध्य)
भोपाल (म.प्र.)
www.cpcb.nic.in

UNEP
Green Economy: Does it include you?

बिजली

उपाय	वार्षिक बचत (रुपये)	वार्षिक कार्बन उत्सर्जन में कमी (किलोग्राम)
100 वॉट के बल्ब के स्थान पर 20 वॉट का सी.एफ.एल. बल्ब 3.5 घंटे चलाने पर	409	84
2 घंटे टी.वी. या कम्प्यूटर के स्थान पर बाहर जाकर खेलने पर	300 से 450	60 से 90
कमरे/केबिन से बाहर जाते हुए लाइट एवं पंखा बंद करने पर (01 घंटा रोज)	134	28
रोज 12 घंटे चलने वाले 5 – स्टार पंखे पर	176	36
5 – स्टार फ्रिज उपयोग में लाने पर	1312	269
रोज 8 घंटे चलने वाले 1.5 टन 5 –स्टार एयर–कंडीशनर पर	1382	283
पानी गर्म करने में सोलर हीटर उपयोग में लाने पर	3352	687
रोज साथ–साथ खाना खाने पर	146	30
टी.वी./सेट–अप बॉक्स/ डी.वी.डी. प्लेयर आदि इलेक्ट्रॉनिक उपकरणों को रिमोट के बजाय मेन पॉइंट से बंद करने पर	518	106

UNEP
Green Economy: Does it include you?

वृक्ष और कागज

उपाय	वार्षिक कार्बन उत्सर्जन में कमी (किलोग्राम)
प्रत्येक माह एक रीम (500 पेज) कागज का उपयोग कम करने पर	87
प्रत्येक माह 50 पेज डबल साइट प्रिंट लेने पर	8.7
ई–स्टेटमेंट (प्रिंट न लेने पर)	5.22
प्रत्येक माह 100 छात्रों के 50 पुराने कागज पर रफ कार्य करने पर	870
100 छात्रों के अपनी 10 पुस्तकें अपने जूनियर को देने पर	870
आवास परिसर के चारों ओर 100 वृक्ष लगाने पर	366-1000

ईधन बचाने के कुशल तरीके:

- भोजन बनाते समय बर्तन व कढ़ाई आदि को ढ़कें।
- खाने में उबाल आने पर आंच कम करें।
- खाना बनाने के लिए उचित मात्रा में पानी का उपयोग करें।
- गैस जलाने से पूर्व सभी सामग्री तैयार रखें।
- फ्रिज में रखे खाने को गर्म करने से पहले बाहर निकाल कर रखें।
- गैस बर्नर को रोजाना साफ करें।
- चावल, दाल आदि को पकाने से पहले भिगो कर रखें।
- एक साथ खाना खाएं ताकि बार–बार खाना गर्म न करना पड़े।

UNEP
Green Economy: Does it include you?

पानी

प्रतिदिन 100 लीटर पानी बचाने के उपाय

- टपकते नल की तुरंत मरम्मत कराएं ।
- होज़ पाइप की जगह बाल्टी से गाड़ी धोएं ।
- वाशिंग मशीन के प्रत्येक चक्र में जितने कपड़े आ सकते हों, उतने भरें ।
- नहाने के लिए शॉवर की बजाय बाल्टी का उपयोग करें ।
- फर्श धोने के स्थान पर पोछा लगायें ।
- कपड़े धोने के उपरांत निकले जल का उपयोग टायलेट फ्लेशिंग में करें ।

परिवहन

उपाय	वार्षिक बचत (रुपये)	वार्षिक कार्बन उत्सर्जन में कमी (किलोग्राम)
व्यक्तिगत रूप से प्रतिदिन 40कि.मी. चलाई जा रही एक कार के सड़क पर न होने से	29352	1321
कार के बजाय स्कूल द्वारा उपलब्ध कराये गये परिवहन (बस) का उपयोग करने पर	6941	477
पास की दूरी (1 कि.मी.) कार/मोटरसाईकल के बदले पैदल चलकर पूरी करने पर	240 से 1070	11 से 48
ट्रैफिक जाम और लाल बत्ती के समय दुपहिया/छोटी कार का इंजन बंद करने पर	1070 से 1400	48 से 64
वाहन (कार) के टायर में उचित हवा भरकर चलाने पर	3344	150

आभार: पर्यावरण एवं वन मंत्रालय, नई दिल्ली व सेंटर फॉर एन्वायरनमेंट एजुकेशन, नई दिल्ली

UNEP
Green Economy: Does it include you?

प्रशस्ति पत्र वितरण कार्यक्रम

स्वच्छ भारत अभियान
स्वच्छ
भारत
केन्द्रीय प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड
आंचलिक कार्यालय (मध्य)
भोपाल
cpcb
SARISKA TIGER RESERVE
ST-9 Tigress with Cub Feb. 2016

स्वच्छ भारत अभियान
केन्द्रीय प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड
आंचलिक कार्यालय (मध्य)
भोपाल
SARISKA TIGER RESERVE
ST-9 Tigress with Cub Feb. 2016

स्वच्छता शपथ

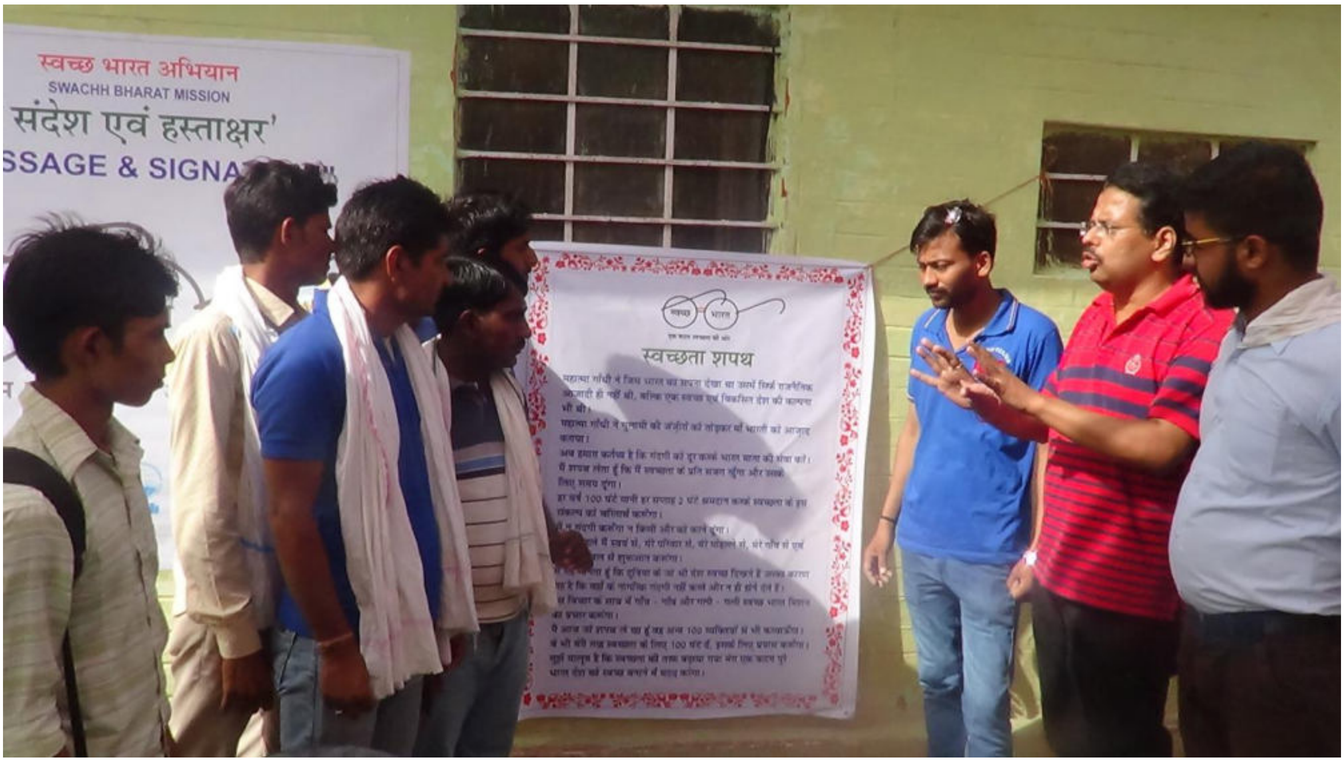
स्वच्छ भारत अभियान
SWACHH BHARAT MISSION
संदेश एवं हस्ताक्षर'
स्वच्छता शपथ

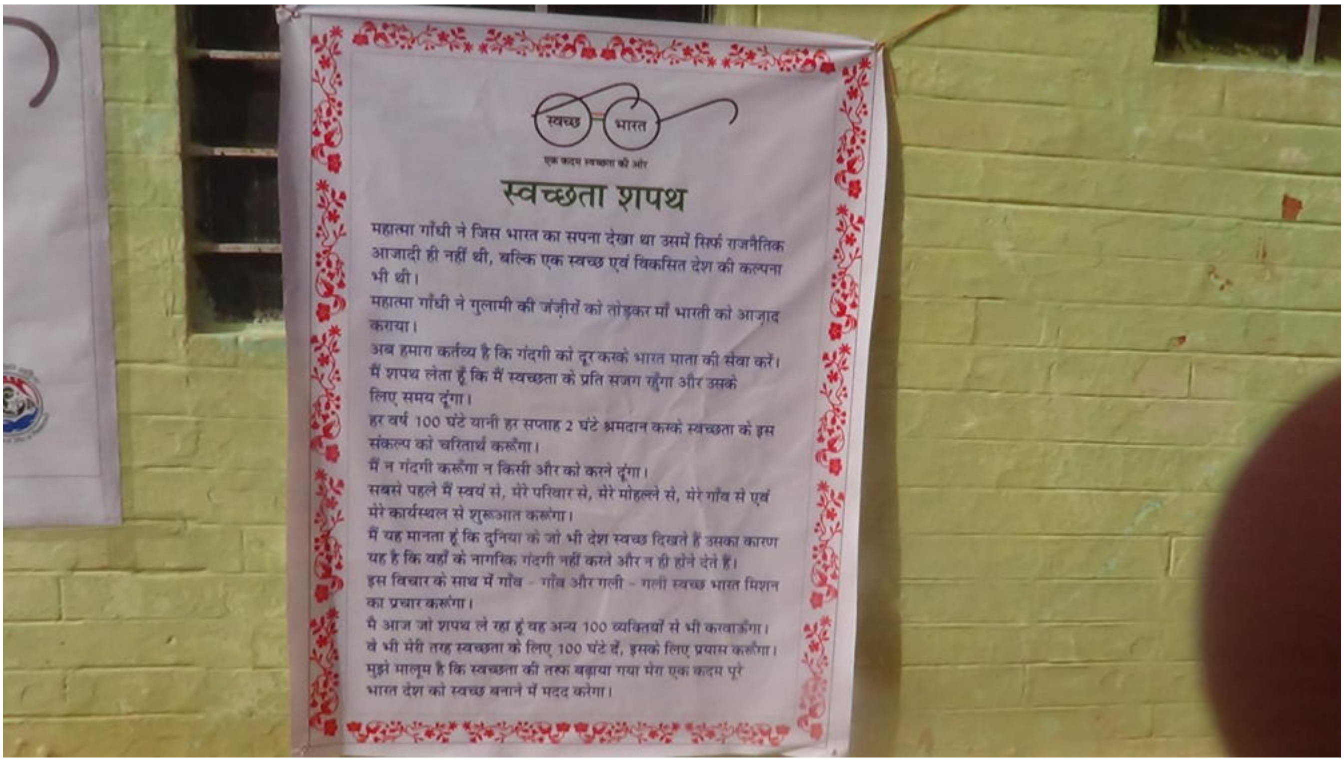
स्वच्छ भारत
एक कदम स्वच्छता की ओर
स्वच्छता शपथ
महात्मा गाँधी ने जिस भारत का सपना देखा था उसमें सिर्फ राजनैतिक आजादी ही नहीं थी, बल्कि एक स्वच्छ एवं विकसित देश की कल्पना भी थी।
महात्मा गाँधी ने गुलामी की जंज़ीरों को तोड़कर माँ भारती को आज़ाद कराया।
अब हमारा कर्तव्य है कि गंदगी को दूर करके भारत माता की सेवा करें। मैं शपथ लेता हूँ कि मैं स्वच्छता के प्रति सजग रहूँगा और उसके लिए समय दूंगा।
हर वर्ष 100 घंटे यानी हर सप्ताह 2 घंटे श्रमदान करके स्वच्छता के इस संकल्प को चरितार्थ करूँगा।
मैं न गंदगी करूँगा न किसी और को करने दूंगा।
सबसे पहले मैं स्वयं से, मेरे परिवार से, मेरे मोहल्ले से, मेरे गाँव से एवं मेरे कार्यस्थल से शुरूआत करूंगा।
मैं यह मानता हूं कि दुनिया के जो भी देश स्वच्छ दिखते हैं उसका कारण यह है कि वहाँ के नागरिक गंदगी नहीं करते और न ही होने देते हैं।
इस विचार के साथ मैं गाँव - गाँव और गली - गली स्वच्छ भारत मिशन का प्रचार करूंगा।
मै आज जो शपथ ले रहा हूं वह अन्य 100 व्यक्तियों से भी करवाऊँगा।
वे भी मेरी तरह स्वच्छता के लिए 100 घंटे दें, इसके लिए प्रयास करूँगा।
मुझे मालूम है कि स्वच्छता की तरफ बढ़ाया गया मेरा एक कदम पूरे भारत देश को स्वच्छ बनाने में मदद करेगा।

सन्देश एवम् हस्ताक्षर कार्यक्रम

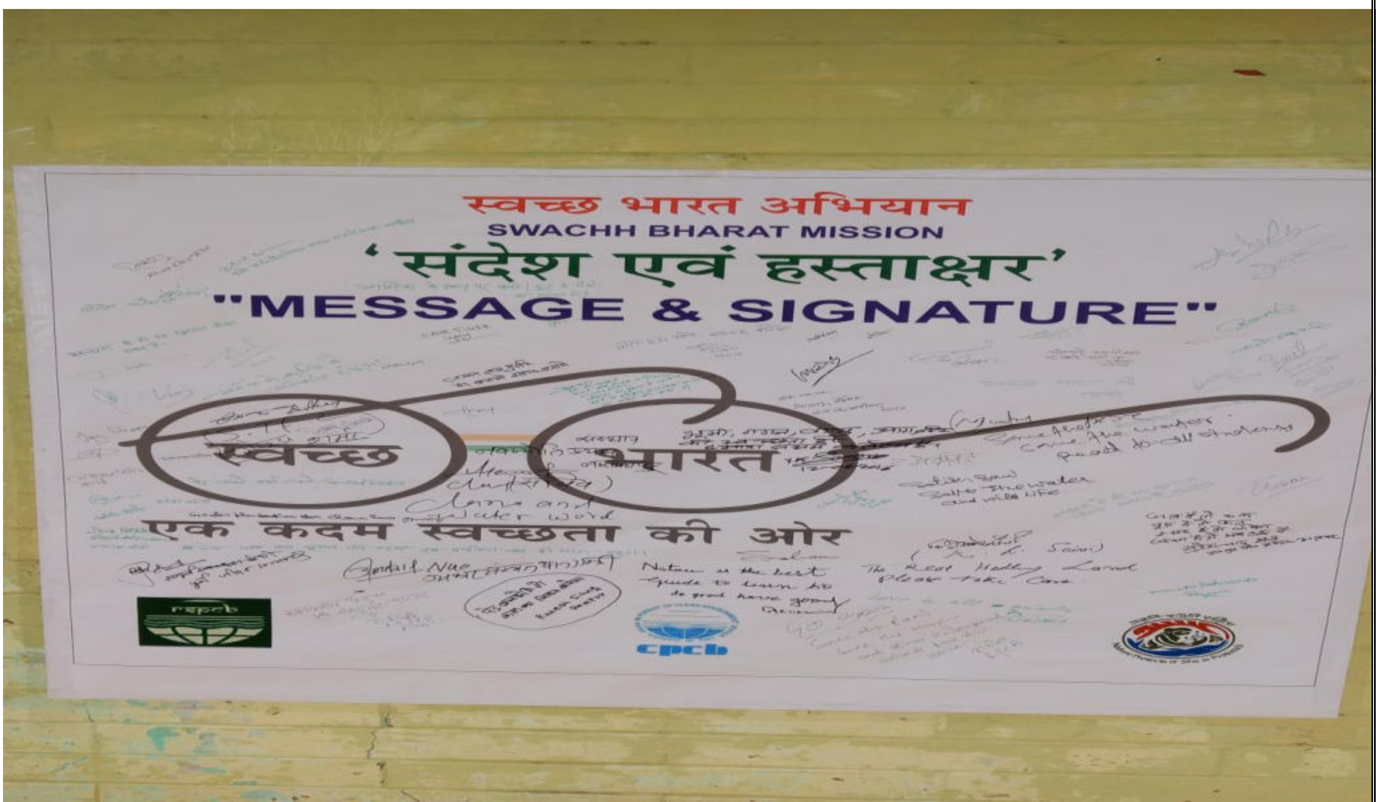

स्वच्छता कार्यक्रम

स्वच्छता अभियान के पहले की तस्वीर

स्वच्छता अभियान के बाद की तस्वीर

कान्हा टाइगर रिजर्व
मंडला (मध्य प्रदेश)

दिनांक 14-15 जून, 2016

ब) कान्हा टाइगर रिजर्व, मंडला, मध्य प्रदेश (दिनांक 14-15 जून, 2016)

मुख्यालय से प्राप्त पत्र संखया MSCB/06/2016 दिनांक 08.06.2016 के अनुसार आंचलिक कार्यालय, भोपाल द्वारा दिनांक 14.06.2016 से 15.06.2016 तक कान्हा टाइगर रिजर्व, जिला मंडला में स्वच्छ भारत अभियान के अन्तर्गत ठोस अपशिष्ट प्रबंधन एवं पर्यावरणीय प्रदूषकों के वन्य जीव एवं वनस्पतियों पर होने वाले प्रभाव हेतु जन-जागरूकता अभियान का आयोजन किया गया। आयोजन हेतु आंचलिक कार्यालय भोपाल से श्री प्रवीण कुमार जैन, वरिष्ठ वैज्ञानिक सहायक एवं डॉ, अनूप चतुर्वेदी, वरिष्ठ वैज्ञानिक सहायक को नामित किया गया।

1. **कान्हा टाइगर रिजर्व का संक्षिप्त विवरण**

कान्हा राष्ट्रीय उद्यान मध्य प्रदेश के सतपुड़ा पर्वत श्रेणी के मेकाल रेंज में स्थित है एवं 1879 में आरक्षित वन घोषित किया गया। कान्हा राष्ट्रीय उद्यान 01 जून, 1955 को बनाया गया था और 1973 में कान्हा टाइगर रिजर्व घोषित किया गया। यह मध्य प्रदेश के मंडला और बालाघाट जिलों में 940 वर्गकिमी क्षेत्र में फैला हुआ है। बफर और कोर जोन को मिलाकर लगभग 1200 वर्ग किमी का क्षेत्र है। वर्तमान में कान्हा टाइगर रिजर्व के अंतर्गत हलेल अभ्यारण, बंजार अभ्यारण और फैन अभ्यारण हैं। यह मध्य भारत में सबसे बड़े राष्ट्रीय उद्यान में से एक है और भारत के 10 प्रमुख टाइगर रिजर्व में से एक है।

कान्हा पार्क में रॉयल बंगाल टाइगर, तेंदुए स्लॉथ बियर, बारहसिंगा, बंदर, नीलगाय, जंगली बिल्ली, लोमड़ी आदि पाए जाते हैं। हिरण की उप प्रजाति दलदली हिरण और हार्ड जमीन बारहसिंगा का पाया जाना राष्ट्रीय उद्यान का गौरव है।

कान्हा टाइगर रिजर्व में फूल वाले पौधे की लगभग 900 से अधिक प्रजातियां, साल, सागौन व अन्य मिश्रित जंगल के पेड़ व घास के मैदान की कुछ प्रजातियां बारहसिंगा (Duvaceli Bruanderi) के अस्तित्व के लिये महत्वपूर्ण हैं।

2. **कार्यक्रम आयोजन हेतु स्थानीय जन प्रतिनिधियों से चर्चा एवं सर्वे**

मोचा एवं खटिया गांव जो कि कान्हा टाइगर रिजर्व से सबसे निकट है एवं राष्ट्रीय उद्यान की सीमा से लगे हुये हैं यहां पर्यटकों के टहरने हेतु होटल, लॉज एवं रिसोर्ट्स खटिया एवं मोचा गांव में ही स्थित है। इन सभी की संख्या लगभग 20 है और लगभग 300 से 400 देश विदेश के पर्यटक प्रतिदिन राष्ट्रीय उद्यान में भ्रमण करते हैं। राष्ट्रीय उद्यान प्रबंधन द्वारा पर्यटकों के सफारी हेतु दो पाली (सुबह एवं शाम) में जाने हेतु व्यवस्था सुनिश्चित की गई है। इस हेतु प्रबंधन द्वारा पंजीकृत मारूति जिप्सी वाहन का ही प्रयोग किया जाता है।

सुप्रीम कोर्ट के निर्देशों के अनुपालन हेतु अभ्यारण के आंतरिक क्षेत्रों में उपयोग किये जाने वाले पर्यटक वाहनों की संख्या को सीमित कर दिया गया है, ताकि ध्वनि व वायु प्रदूषण से वन्य जीवों एवं वनस्पतियों को होने वाली हानि से बचाया जा सकें।

राष्ट्रीय उद्यान के पारिस्थिक तंत्र को किसी भी तरह के पर्यावरणीय प्रदूषण से हानि न हो इसके लिए राष्ट्रीय उद्यान में सफारी हेतु सैलानियों को पोलीथिन, कैरी बैग, पाउच व अन्य प्लास्टिक जिसमें खाने-पीने की सामग्री रखी हो पूर्णतः निषेध किया गया है।

जन-जागरूकता के अन्तर्गत दिनांक 14.06.2016 को कार्यक्रम के आयोजन पूर्व रूप रेखा तैयार करने हेतु श्री आर.पी. सिद्ध, सहायक निदेशक, कान्हा टाइगर रिजर्व एवं श्री आर.के. जैन, कनिष्ट वैज्ञानिक, म.प्र.प्र.नि. बोर्ड, क्षेत्रीय कार्यालय, जबलपुर से चर्चा की गई एवं दिनांक 15.06.2016 को होने वाले स्वच्छ भारत अभियान एवं पर्यावरणीय प्रदूषण जागरूकता रैली के आयोजन हेतु ग्राम मोचा एवं ग्राम खटिया को चिन्हित किया गया।

ग्राम मोचा के नगरीय ठोस अपशिष्ट साइट को भी केन्द्रीय प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड, राज्य प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड, जबलपुर एवं वन मंडल पदाधिकारियों के साथ निरीक्षण किया गया। जहां ग्राम मोचा के रहवासियों, गांव में स्थित होटलों एवं रिसोर्ट्स एवं व्यावसायिक स्थानों द्वारा निकलने वाले ठोस अपशिष्ट को बस स्टैण्ड स्थित अस्थायी कचरा एकत्रीकरण स्थान पर निस्तारित किया जाता है। दिनांक 15 जून, 2016 को होने वाले कार्यक्रम जैसे जन-जागरूकता रैली, स्वच्छता अभियान एवं स्वच्छता शपथ ग्रहण समारोह स्थल एवं हस्ताक्षर अभियान के समय एवं स्थान को सुनिश्चित कर समस्त कार्यक्रम की रूपरेखा तैयार की गई।
जागरूकता एवं स्वच्छता अभियान के कवरेज हेतु श्री आर.पी. सिद्ध, सहायक निदेशक कान्हा टाइगर रिजर्व के साथ मीडिया कर्मियों से समन्वय किया गया।

3. **स्वच्छ भारत अभियान योजना से संबंधित भ्रमण**

भारत सरकार द्वारा स्वच्छ भारत अभियान के अंतर्गत ग्राम मोचा एवं खटिया के निवासियों के घरों में बनाए गए शौचालय का निरीक्षण।

4. **स्वच्छता अभियान रैली**

दिनांक 15 जून, 2016 को प्रातः 7:30 ग्राम मोचा के बस स्टैण्ड स्थित सभी रहवासी, आस-पास के क्षेत्रों से आये आगन्तुक, आतिथ्य प्रशिक्षण केन्द्र के प्रशिक्षु, जनपद अध्यक्ष ग्राम बिछिया, सरपंच ग्राम पंचायत खटिया एवं मोचा, थाना टाइगर रिजर्व के अधिकारी कर्मचारी, स्थानीय पुलिस स्टेशन के प्रभारी एवं मीडिया कर्मी उपस्थित हुये।

5. **ग्रामीण सफाई अभियान**

ग्राम मोचा के बस स्टैण्ड पर एकत्रित आगन्तुकों को प्लास्टिक के उपयोग एवं उसके दूष्प्रभाव, पर्यावरण प्रदूषण की जानकारी श्री प्रवीण कुमार जैन एवं डॉ. अनूप चतुर्वेदी, केन्द्रीय प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड द्वारा दी गई। एकत्रित ठोस अपशिष्ट को ट्रॉली में डालने व अन्य दूरस्थ स्थान में निस्तारण हेतु उपस्थित सभी आगन्तुकों ने गांव एवं कान्हा टाइगर रिजर्व के स्वच्छता हेतु सहयोग प्रदान किया।

तत्पश्चात ग्राम मोचा से लगभग 4 किलोमीटर तक सड़क के आसपास फैली प्लास्टिक की थैली, पाउच व अन्य ठोस अपशिष्ट की साफ-सफाई की गई एवं कचरे को उठाकर ट्रेक्टर ट्रॉली में डाला गया। रैली में स्वच्छता हेतु सभी

लोगों ने बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया। स्वच्छता अभियान रैली के साथ-साथ प्रदूषण मुक्त गांव एवं अपना भारत देश, प्रदूषण के रोकथाम के नारे लगाये गये।

6. **जन जागरूकता एवं पम्पलेट वितरण**

रैली में उपस्थित सभी आगन्तुकों एवं सैलानियों, स्थानीय रहवासियों, वाहन चालकों, जनपद अध्यक्ष एवं सरपंचों को पर्यावरणीय प्रदूषण के कारण होने वाले दुष्प्रभाव एवं उनके रोकथाम के उपाय, वायु प्रदूषण का वन्य जीव पर प्रभाव, ध्वनि एवं वाहनों से होने वाले प्रदूषण की जानकारी एवं जन-जागरूकता हेतु श्री प्रवीण कुमार जैन एवं डॉ. अनूप चतुर्वेदी, केन्द्रीय प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड एवं श्री आर.के. जैन, मध्य प्रदेश राज्य प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड, जबलपुर द्वारा पम्पलेट वितरित किये गये।

स्वच्छता एवं पर्यावरण प्रदूषण के प्रति गांव के स्थानीय रहवासियों पर्यटकों को जागरूक करने के लिये वन विभाग के अधिकारी, जनपद अध्यक्ष, बिछिया एवं सरपंच ग्रामपंयायत मोचा एवं खटिया के साथ विचार-विमर्श किया गया।

7. **स्वच्छता शपथ**

रैली गंतत्व कान्हा टाइगर रिजर्व के मुख्य द्वार पर पहुंचने के उपरान्त स्वच्छता एवं पर्यावरणीय प्रदूषकों के लिये सजग श्री प्रवीण कुमार जैन, वरिष्ठ वैज्ञानिक सहायक, केन्द्रीय प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड, भोपाल द्वारा समस्त आगन्तुकों, सैलानियों एवं स्थानीय रहवासियों को स्वच्छता शपथ दिलाई गई।

8. **हस्ताक्षर अभियान एवं पर्यावरण संदेश**

कार्यक्रम के समापन में सम्मिलित सभी आगन्तुकों, सैलानियों एवं कान्हा टाइगर रिजर्व के अधिकारियों, गांवों के सरपंचों के द्वारा सफारी कराने वाले वाहन चालकों, स्थानीय पुलिस अधिकारी, आतिथ्य प्रशिक्षण केन्द्र के प्रशिक्षुओं एवं सुरक्षाकर्मियों द्वारा हस्ताक्षर अभियान के अन्तर्गत स्वच्छता के प्रति अपनी भावनाओं को संदेश के रूप में व्यक्त करते हुए हस्ताक्षर किये गये।

कान्हा टाइगर रिजर्व – <u>वन्य जीव एवं वनस्पति</u>

<u>स्वच्छता संदेश</u>

कान्हा टाइगर रिजर्व – <u>जन जागरूकता रैली</u>

कान्हा टाइगर रिजर्व – <u>ग्रामीण सफाई एवं नारे</u>

कान्हा टाइगर रिजर्व – <u>अस्थाई कचरा एकत्रीकरण स्थल एवं सफाई</u>

कान्हा टाइगर रिजर्व – स्वच्छता अभियान आयोजन एवं शपथ ग्रहण

कान्हा टाइगर रिजर्व – हस्ताक्षर अभियान एवं संदेश

कान्हा टाइगर रिजर्व – हस्ताक्षर अभियान एवं संदेश

कान्हा टाइगर रिजर्व – पंफ्लेट वितरण

कान्हा टाइगर रिजर्व – स्वच्छ भारत मिशन